

क्रिटिकल मिनरल्स, ग्रीन एनर्जी, AI में साथ आएगा कनाडा

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** यूपी और कनाडा मिलकर ग्रीन एनर्जी, एलएनजी/एलपीजी, क्रिटिकल मिनरल्स, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, उन्नत टेक्नॉलजी क्षेत्रों में काम करेंगे। बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ से कनाडा के उच्चायुक्त क्रिस्टोफर कूटर की मुलाकात के दौरान द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा हुई। यूपी में निवेश, प्रौद्योगिकी सहयोग और कौशल विकास के क्षेत्रों में साझेदारी को आगे बढ़ाने पर भी विस्तार से बात हुई।

क्रिस्टोफर कूटर ने भारत-कनाडा के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की व्यापक संभावनाओं पर जोर देते हुए यूपी को एक उभरते निवेश और नवाचार केंद्र के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने योगी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि राज्य ने बीते वर्षों में आधारभूत संरचना, नीतिगत सुधार और सुशासन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिससे यह वैश्विक निवेशकों के लिए एक विश्वसनीय गंतव्य बनकर उभरा है।

शिक्षा एवं रिसर्च में भी होंगे काम: बैठक में इस पर भी सहमति बनी कि कनाडा के अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों और यूपी के बीच सहयोग से कौशल विकास, इनोवेशन और वैश्विक प्रतिभा विनिमय को नई गति मिल सकती है। उच्चायुक्त ने कहा कि कनाडाई कंपनियां यूपी में दीर्घकालिक निवेश और तकनीकी साझेदारी के लिए सक्रिय रूप से अवसरों का आकलन कर रही हैं। सतत ऊर्जा, स्वच्छ प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण के क्षेत्रों में कनाडा की

सीएम से मिले कनाडा के उच्चायुक्त क्रिस्टोफर कूटर, यूपी के साथ साझेदारी पर चर्चा

यूपी देगा हरसंभव सहयोग: योगी

सीएम योगी ने राज्य में उपलब्ध निवेश-अनुकूल वातावरण, औद्योगिक विकास और नीतिगत सुधारों का संक्षिप्त उल्लेख करते हुए कनाडा की कंपनियों को यूपी में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और ब्रह्मोस परियोजना का उल्लेख करते हुए राज्य की बढ़ती औद्योगिक क्षमता को रेखांकित किया। सीएम ने कहा कि कनाडा के साथ तकनीक, कौशल और नवाचार आधारित सहयोग को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए हर संभव संस्थागत समर्थन उपलब्ध करवाया जाएगा। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने निवेश, तकनीकी सहयोग और कौशल विकास के क्षेत्रों में साझेदारी को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। कनाडाई प्रतिनिधिमंडल ने यूपी के औद्योगिक विकास आयुक्त से भी मुलाकात की।



विशेषज्ञता, यूपी की विकास आकांक्षाओं के साथ स्वाभाविक रूप से मेल खाती है, जिससे दोनों पक्षों के बीच एक मजबूत साझेदारी विकसित की जा सकती है।